E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२३

सत्र – १

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–१) (HDS - 102)

दि.: ३०/०५/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्ही पाँच प्रश्नो केउत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ भक्ति की प्रमुख धाराओं को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए ।

प्र. २ पद्मावत की कथा के आधार पर इतिहास और कल्पना के समन्वय का विवेचन कीजिए ।

प्र. ३ जायसी ने पद्मावत में आध्यात्मिक एवं दार्शनिक विचारों को कैसे प्रस्तुत किया है इसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ कबीर का परिचय देते हुए उनके दार्शनिक भक्ति को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ५ माया के संबंध में कबीर के विचारों को प्रस्तुत कीजिए ।

प्र. ६ कबीर के रहस्यवाद की विशेषताओं को अधोरेखित कीजिए ।

प्र. ७ कबीर के काव्य में प्रस्तुत विरह भावना को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ कबीर के समय की समाज की स्थिति का वर्णन कीजिए ।

प्र. ९ तुलसीदासजी ने 'विनय–पत्रिका' में दार्शनिक विवादों का समाधान प्रस्तुत किया है – इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. 'विनय–पत्रिका' में लोकमंगल की भावना

२. पद्मावत में नारी–चित्रण

३. 'विनय–पत्रिका' की भाषा

४. पद्मावत में रहस्यवाद ।